मूँग बीज उत्पादन

डा० सुधीर चन्द्र चौधरी
कृषि विज्ञान केन्द्र, हलसी, लखीसराय

प्रभेद: पूसा विशाल, टी०एम० – 99 – 37 (टी०एम०बी० – 37), एच०यू०एम० – 16, सम्राट, मेहा, एस०एम०एल० – 668

पृथ्थ्करण दूरी:

मूँग स्वपरागित पौधा है। अतः अनुवांशिक शुद्धता के लिए फसल के आधार बीज उत्पादन के लिए 10 मी० एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए 5 मी० की पृथ्थ्करण दूरी मूँग के अन्य फसलों से रखना आवश्यक है।

बुआई का समय:

10 मार्च तक

बीज दर:

20 – 25 किलोग्राम / हे०

बीजोपचार:

बुआई के पूर्व राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।

बुआई की दूरी:

30 सेमी० × 7 सेमी०

उर्वरक की मात्रा:

बुआई के समय 15 किलोग्राम नेत्रजन (32.5 किलोग्राम यूरिया) एवं 40 किलोग्राम स्फुर (83.20 किलोग्राम ट्रिपल सुपर फॉस्फेट या 250 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट) /हे० एवं आवश्यकतानुसार सूक्ष्म तत्वों की मिट्टी में कमी होने पर जिंक 20 किलोग्राम/हे०, बोरान 20 किलोग्राम/हे०, सल्फर 20 किलोग्राम/हे०।

सिंचाईः

बुआई के समय मिट्टी में नमी न होने पर हल्की सिंचाई कर बुआई करें।

पौधा संरक्षणः

(क) कजरा पिल्लू – पौधे आने के बाद कजरा पिल्लू पौधे को काट देते हैं जिसकी रोकथाम Fipronil (5Sc) 300 - 400 मिली लीटर/एकड़ की दर से स्प्रे करें।

(ख) फूल आने से पहले इण्डोसल्फान या रोगर दवा का 2 मिली लिटर /ली० पानी में घोलकर छिड़काव करें।

(ग) फली बनने के बाद फली छेदक से बचाने के लिए क्वीनालफास या मानोक्रोटोफास 1.5 मिलीलिटर प्रतिलीटर जल में घोलकर छिड़काव करें।